

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

04 अप्रैल 2020

जामिया वीसी की विश्वविद्यालय के छात्रों, अध्यापकों और अन्य स्टाफ से 5 अप्रैल को रौशनी करने की अपील

प्रिय छात्रों, टीचिंग और नान टीचिंग स्टाफ के सदस्यों,

ईश्वर उनकी मदद करता है जो खुद की मदद करते हैं। समय की कसौटी पर खरी उतरी यह कहावत प्रकृति और वक्त की पुकार है। सेल्फ हेल्प हमें जीवन की चुनौतियों से निपटने की अपार इच्छाशक्ति, शारीरिक, नैतिक और आध्यात्मिक ताकत देती है। सेल्फ हेल्प को व्यवहार में लाते हुए हम जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लोग, वर्तमान अभूतपूर्व संकट को काबू पाने के लिए सरकार द्वारा लगाए गए देशव्यापी लाकडाउन के दौरान, सोशल डिस्टेंसिंग को अपना कर पहले ही अपने दृढ़ निश्चय का परिचय दे चुके हैं।

स्वास्थ्य एक वरदान है। यह वरदान हमसे मांग करता है कि आगे बढ़ कर इसे बचाएं। हमारे भीतर देश की जनता की दृढ़ भावना और इच्छा शक्ति है। यह हमारा परम कर्तव्य है कि हम इस संकट से उबरने के लिए अपने सभी संसाधन और रचनात्मकता को लगा दें।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने हमसे आग्रह किया है कि खतरनाक कोरोनावायरस के खिलाफ जंग लड़ रही सभी एजेंसियों के साथ एकजुटता दर्शाने के लिए रविवार, 05 अप्रैल को रात नौ बजे से नौ मिनट के लिए घरों की लाइटें बुझा कर मोमबत्तियों, मोबाइल फ्लैशलाइट, टार्च और दियों से रौशनी करें। हम जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लोगो ने हमेशा ही देश की एकता के लिए गए हर आह्वान का गंभीरता से अनुसरण किया है।

अतः मैं, आप सबसे उनसे एकजुटता दिखाने का आग्रह करती हूँ। 5 अप्रैल 2020 को रात नौ बजे से नौ मिनट के लिए आप सभी देशवासियों के साथ मिलकर घरों की लाइटें बुझा कर मोमबत्तियों, मोबाइल फ्लैशलाइट, टार्च और दियों से रौशनी करें।

रौशनी फैलाने की यह मुहिम न सिर्फ नीरसता और नकारात्मक विचारों को परास्त करेगी, बल्कि आपमें खुशी, शान्ति, स्कारात्मकता लाएगी जो सौहार्दपूर्ण मन, शरीर और आत्मा के लिए ज़रूरी है। इससे, इस मुश्किल वक्त में उम्मीद और एकजुटता तो बढ़ेगी ही और हज़ारों डाक्टरों, पैरामैडिकल स्टाफ और अन्य का नैतिक बल और विश्वास भी बढ़ाएगी। यह पूरे देश के स्वास्थ्य और खुशी को बढ़ाएगा। संकट की घड़ी में हम अपनी बहादुरी और संयम से, हमेशा विजयी हुए हैं। आइये, हम अपने स्वास्थ्य और सामान्य हालात जल्द बहाल होने के लिए मिल कर प्रार्थना करें।

(प्रो नजमा अख्तर)
कुलपति